MT - 114

Seat No. | | | | | | | |

2013 1100

MT - 114 - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - I - PAPER - I

Time : 3 Hours **(Pages 6)** **Max. Marks : 80**

प्रश्न 1. अ) निम्नलिखित विधान के साथ दिए गए विकल्पों में से पठित गद्यपाठों के आधार पर सही विकल्प जोड़कर प्रत्येक विधान पूर्ण वाक्य में लिखिए : **2**

1) अंग्रेजी में 'फ्लेम ऑफ द फायर' कहते हैं ---------- ।

(अ) पलाश के पत्तों को ।

(ब) पलाश के फूलों को ।

(क) पलाश की लंबी - लंबी फलियों को ।

2) मंगली के चेहरे पर आज सुबह के लिए खौफ नहीं, बल्कि ----------।

(अ) एक विश्वास था ।

(ब) एक जिज्ञासा थी ।

(क) एक अजीब चमक थी ।

आ) निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित गद्यपाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए । पूर्ण वाक्य लिखकर प्रयुक्त शब्द अधोरेखांकित कीजिए : **3**

1) लेकिन बिल्ली ने उधर ..... तक नहीं डाली ।

2) मैंने उसे पहली बार इतना ..... होते देखा था ।

3) परंतु हमारे घर के वातावरण में कोई ..... नहीं आया ।

इ) निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन</u> प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर केवल <u>एक - एक वाक्य</u> में लिखिए : **3**

1) सपने की संपत्ति की भाँति कौन अदृश्य हो गए ?

2) आचार्य शुक्ल कवि सम्मेलनों में कविता कैसे प्रस्तुत करते थे ?

3) असली दूध किसे मिलता था ?

4) मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में कौन - सी मीटिंग और कहाँ संपन्न हुई ?

5) प्रीति मोंगा को आँख की बीमारी का पता किस उम्र में और कहाँ चला ?

ई) **निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य को किसने किस संदर्भ में कहा है ? पठित गद्यपाठों के आधारपर लिखिए :** **2**

1) ''छोड़ दो मालिक ।''
2) ''आपको चिंता किस बात की है बाबू जी !''

उ) **निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन</u> प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर संक्षेप (60 -70 शब्दों) में लिखिए :** **9**

1) सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए सम्यक वाणी की आवश्यकता क्यों है ?
2) मैनेजर ने कूर्मांचल की कौन-सी करुण लोककथा लोगों को सुनाई ?
3) 'प्रायश्चित' कहानी द्वारा लेखक ने धार्मिक अंधविश्वास पर क्या व्यंग्य कसा है ?
4) गोवर्धनदास ने खुश होकर अंधेर नगरी में ही रहने का फैसला क्यों किया ?
5) विनायक बाबू ने विशाल बाबू को किस स्थिति में देखा ?

ऊ) **निम्नलिखित पठित गद्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर <u>एक - एक वाक्य</u> में लिखिए :** **3**

इक्कीस दिन के पाठ के इक्कीस रुपए और इक्कीस दिन तक दोनों बखत पाँच - पाँच ब्राह्मणों को भोजन करवाना पड़ेगा ।'' कुछ रुककर पंडित जी ने कहा, ''सो इसकी चिंता न करो, मैं अकेले दोनों समय भोजन कर लूँगा और मेरे अकेले भोजन करने से पाँच ब्राह्मणों के भोजन का फल मिल जाएगा ।''

''यह तो पंडित जी ठीक कहते हैं । पंडित जी की तोंद तो देखो !''मिसरानी ने मुस्कराते हुए पंडित जी पर व्यंग्य किया ।

1) पंडित जी के कथन से उनकी कौन - सी वृत्ति सूचित होती है ?
2) पंडित जी लोगों की किस भावना का लाभ उठाते नजर आ रहे हैं ?
3) मिसरानी ने पंडित पर किस प्रकार व्यंग्य कसा ?

प्रश्न 2. क) निम्नलिखित पद्यपंक्तियों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित पद्यपाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए : **3**

1) क्षण में वह ..... मिट जाएगा, तेरे पंखों से पिसकर ।
2) ..... चित रहिमन लगी, समय चूक की हूक ।
3) ..... के रोड़ों से लड़ता, वन के पेड़ों से टकराता ।

ख) **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर केवल <u>एक - एक वाक्य</u> में लिखिए :** **3**

1) वर्षों से हमारी नसों में क्या खौलता है ?
2) मेघ को किसने जुहार की ?
3) किसकी निशा बीत रही है ?

ग) **निम्नलिखित पठित पद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर <u>एक - एक वाक्य</u> में लिखिए :** **3**

''चलना है केवल चलना है, जीवन चलता ही रहता है ।
रुक जाना ही मर जाना है, निर्झर यह झरकर कहता है ।''

1) जीवन का वास्तविक उद्देश्य क्या है ?
2) रुक जाना किसके समान है ?
3) गतिशीलता का प्रतीक कौन है ?

घ) निम्नलिखित पठित पद्यखंड का सरल गद्यार्थ लिखिए : **3**

इस सड़क पर इस कदर कीचड़ बिछा है,
हर किसी का पाँव घुटने तक सना है ।

ड़) निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर संक्षेप में लिखिए : **6**

1) कबीर ने गुरु के महत्त्व को किस प्रकार स्पष्ट किया है ?
2) कवि ने झरने के साथ जीवन की तुलना किस प्रकार की है ?
3) समस्याओं का समाधान न मिलने के कारण जनता के आक्रोश को नेता लोग क्या कहकर टाल देते हैं ?

प्रश्न 3. निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर पठित पूरक पाठों के आधार पर 70 - 80 शब्दों में लिखिए : **8**

1) गंगा बाबू ने लेखिका के संस्मरण की किस प्रकार सराहना करते हुए क्या सुझाव दिए थे ?
2) हिंदुस्तान के जनजीवन एवं जनमानस पर तुलसी के प्रभाव को पाठ के आधार पर स्पस्ट कीजिए ?
3) भूटान जाते समय भारतीयों का डॉलर खरीदने का झंझट क्यों नहीं रहता ?
4) चिन्मय और चारु ने भागती ट्रेन में झपटमारों से किस प्रकार मुकाबला किया ?

अथवा

निम्नलिखित पठित पूरक पाठों में से <u>किसी एक</u> का सार लिखिए :

1) गंगा बाबू है कौन ?
2) तुलसी का बिरवा

प्रश्न 4. च) निम्नलिखित शब्दों में से <u>किसी एक</u> शब्द का स्वतंत्र एवं अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए : **1**

1) साथ
2) वाह !

छ) निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य में अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद लिखिए : **1**

1) यह सही है <u>कि</u> उन्हें समझा दिया गया है ।
2) <u>वर्षा</u> सुंदर अभिनेत्री है ।

ज) निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल - परिवर्तन कीजिए : **1**

1) राजा ब्रह्मदत्त का रथ जा रहा था । (पूर्ण भूतकाल)
2) बालक उछलता था । (सामान्य वर्तमानकाल)

झ) निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य में प्रयुक्त सहायक क्रिया पहचानकर लिखिए : 1

1) तुम भ्रष्टाचार छोड़ दो ।

2) आप मेरी बात समझ सकी ।

अथवा

निम्नलिखित क्रियाओं में से <u>किसी एक</u> क्रिया का सहायक क्रिया के रूप में अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए ।

1) बैठना 2) डालना

ट) निम्नलिखित क्रियाओं में से <u>किसी एक</u> क्रिया के प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए : 1

1) बनना 2) सीना

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य में प्रयुक्त प्रेरणार्थक क्रियारूप छाँटकर उसका प्रकार लिखिए :

1) चौकीदार ने सीटी बजाई ।

2) दादी ने दीदी से कहकर नौकर द्वारा फल फिकवाएँ ।

ठ) निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों में से <u>किन्हीं दो</u> वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 2

1) गुस्सा बेचारे बच्ची में उतार रहे हो ।

2) सौभाग्य कि बात की गाड़ी समय पर थीं ।

3) एक बार गोपाल बहोत बिमार हुआ था ।

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किन्हीं दो</u> वाक्यों के लिए योग्य विरामचिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए :

1) वे बोले यह तो आनंद का प्रश्न है ।

2) माँजी बिल्ली तो उठकर भाग गई

3) लो ये बज गए साढ़े चार और तब भी वे लापता

(ड) निम्नलिखित मुहावरों में से <u>किन्हीं तीन</u> मुहावरों के हिंदी में अर्थ देकर उनका अर्थपूर्ण एवं स्वतंत्र वाक्यों में प्रयोग कीजिए : 3

1) मस्तक नवाना । 2) ताँता बँध जाना ।

3) हाथ में आना । 4) ढाक के तीन पात ।

5) सिर झुकाए बैठना ।

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किन्हीं तीन</u> वाक्यों में अधोरेखांकित वाक्यांशों के बदले कोष्ठक में दिए गए मुहावरों में से योग्य मुहावरे का प्रयोग करके शुद्ध वाक्य फिर से लिखिए :

(गुदगुदा देना ; नाक - भौं सिकोड़ना ; चैन न मिलना, खिल - खिलाकर हँसना ; तरह देना।)

1) जब तक माँ का दिया हुआ काम पूरा नहीं होगा कुसुम छुटकारा नहीं पा सकेगी ।
2) छोटी बहन को दौड़ में पहली आती हुई देखकर सावित्री अत्यंत प्रसन्नता के साथ हँसने लगी ।
3) अप्रिय बात सुनकर हममें से कोई भी तिरस्कार प्रकट करेगा ।
4) हमारे जीवन में आनंददायी क्षण बहुत कम होते हैं ।
5) पुनीत ने अपनी गलती पर पिताजी से क्षमा - याचना की ।

प्रश्न 5. निम्नलिखित विषयों में से <u>किसी एक</u> विषय पर लगभग 150- 200 शब्दों तक निबंध लिखिए : 10

1) बूढ़े किसान की आत्मकथा ।
2) मेरा गाँव ।
3) दूरदर्शन - शाप या वरदान ।
4) यदि समाचार पत्र न होते.....

प्रश्न 6. (त) निम्नलिखित कार्यालयीन तथा व्यावसायिक पत्रों में से <u>किसी एक</u> पत्र का प्रारूप (नमूना) लिफाफे सहित तैयार कीजिए : 4

1) महेश / महिमा शर्मा, गांधी नगर, अमरावती – 355421 से स्वास्थ्य अधिकारी महानगर पालिका, को शहर में अशुद्ध जल की पूर्ति होने के कारण ध्यान आकर्षित करते हुए पत्र लिखता / लिखती है ।
2) सुधाकर / सुमन पांडे, सुंदर भवन, शनिवार पेठ, पूना – 422020 व्यवस्थापक, सूरज पुस्तक भंडार, शास्त्री रोड, आगरा 322001 के नाम लिखकर नीचे लिखी गई पुस्तकें वी.पी.पी. से भेजने की माँग करता / करती है ।

अथवा

निम्नलिखित विज्ञापन का प्रारूप (नमूना) तैयार कीजिए ।

बाजार में बेचने के लिए 'वाशिंग पाउडर' का प्रचार करना है ।

(थ) निम्नलिखित रूपरेखा के आधार पर कहानी लिखिए । यह भी दर्शाइए कि उससे क्या सीख मिलती है । 4

रूपरेखा : एक चरवाहा – झूठ बोलने की आदत – शेर आया, शेर आया कहकर चिल्लाना – लोगों का दौड़कर मदद के लिए आना – चरवाहे का हँसना – लोगों का लौट जाना – तीन-चार बार ऐसा ही करना – एक बार सचमुच शेर का आना – चरवाहे का मदद के लिए चिल्लाना – किसी का न आना – शेर का उसे मार डालना – सीख ।

(द) निम्नलिखित अपठित गद्यखंड पर आकलन हेतु ऐसे <u>चार प्रश्न</u> तैयार कीजिए, जिनके उत्तर <u>एक - एक वाक्य</u> में हो : 4

हँसने का सामाजिक पक्ष भी होता है । हँसकर हम लोगों को अपने निकट ला सकते हैं और व्यंग्य करके उन्हें दुरस्थ बना देते हैं । जिसको भगाना हो उसकी थोड़ी देर हँसी-खिल्ली उड़ाइए, वह तुरंत बोरिया-बिस्तर गोलकर पलायन करेगा । जितनी मुक्त हँसी होगी, उतना समीप व्यक्ति खींचेगा इसीलिए तो

श्रोताओं की सहानुभूति अपनी ओर घसीटने के लिए चतुर वक्ता अपना भाषण किसी रोचक कहानी या घटना से आरंभ करते हैं । सामाजिक नियमों और मूल्यों को मान्यता दिलाने और रूढ़ियों को निष्कासित करने में पुलिस या कानून सहायता नहीं करता किंतु वहाँ हास्य का चाबुक अचूक बैठता है। हास्य के कोड़े उपहास-डंक और व्यंग्य-बाण मारकर आदमी को रास्ते पर लाया जा सकता हैं । इस प्रकार गुमराह बने हुए समाज की रक्षा की जा सकती है ।

Best Of Luck 👍

PAPER - I

MT-115

2013 1100

MT - 115 - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - I - PAPER - I

Time : 3 Hours **Preliminary Model Answer Paper** **Max. Marks : 80**

प्रश्न 1.	**अ) निम्नलिखित विधान के साथ दिए गए विकल्पों में से पठित गद्यपाठों के आधार पर सही विकल्प जोड़कर प्रत्येक विधान पूर्ण वाक्य में लिखिए :**	
1)	अंग्रेजी में 'फ्लेम ऑफ द फायर' कहते हैं **पलाश के फूलों को ।**	**1**
2)	मंगली के चेहरे पर आज सुबह के लिए खौफ नहीं, बल्कि **एक जिज्ञासा थी ।**	**1**
	आ) निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित गद्यपाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए । पूर्ण वाक्य लिखकर प्रयुक्त शब्द अधोरेखांकित कीजिए :	
1)	लेकिन बिल्ली ने उधर **निगाह** तक नहीं डाली ।	**1**
2)	मैंने उसे पहली बार इतना **दार्शनिक** होते देखा था ।	**1**
3)	परंतु हमारे घर के वातावरण में कोई **परिवर्तन** नहीं आया ।	**1**
	इ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर केवल एक - एक वाक्य में लिखिए :	
1)	घुड़सवार के सामने पड़े कितने ही ईख के खेत, ढाक के वन और पहाड़ सपने की संपत्ति की भाँति अदृश्य हो गए ।	**1**
2)	आचार्य शुक्ल कवि सम्मेलनों में बाँचने के स्वर में अपनी कविता प्रस्तुत करते थे ।	**1**
3)	असली दूध फूड इन्स्पेक्टर को मिलता था ।	**1**
4)	मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में लघु उद्योग पर राज्य स्तर की मीटिंग 'गोल्डन गेट' में संपन्न हुई ।	**1**
5)	प्रीति मोंगा को आँख की बीमारी का पता छह वर्ष की उम्र में उसकी पाठशाला में चला ।	**1**
	ई) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य को किसने किस संदर्भ में कहा है ? पठित गद्यपाठों के आधारपर लिखिए :	
1)	फूड इन्स्पेक्टर हफ्ता देने की अनिवार्यता पर प्रकाश डालते हुए ग्वालों से कहता कि हफ्ता न देने पर उनके द्वारा लाए हुए दूध में डिग्री लगेगी तथा अधिक हानिकारक परिणाम भुगतने के लिए अदालत में मिलना। ग्वाले इस चेतावनी से डर जाते हैं और फूड इन्स्पेक्टर से अपने बचाव के लिए गिड़गिड़ाते हुए कहते कि ''छोड़ दो मालिक ।''	**2**
2)	आज विनायक बाबू की ड्यूटी बड़े साहब के बँगले पर लगी थी । उन्होंने साहब के बँगले की सजावट और उनकी बेटी टीना की बर्थ - डे पार्टी की चमक - दमक देखी थी । वहाँ से रात को घर लौटकर आने पर वे कहते हैं कि एक तरफ लोग पैसा पानी की तरह बहा रहे हैं । दूसरी ओर उन जैसे	**2**

लोगों का परिवार बड़ी कठिनाई से गुजारा कर पा रहा है । विनायक बाबू को सही - गलत तरीके से पैसा न कमाने का बेहद अफसोस होता है । ऐसे में अपने सिलेक्शन के बारे में आश्वस्त कर बड़ी बेटी विनायक बाबू को दृढ़ स्वर में कहती है कि ''आपको चिंता किस बात की है बाबू जी !''

उ) **निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन</u> प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर संक्षेप (60 -70 शब्दों) में लिखिए :**

1) सुप्रसिद्ध लेखक 'विनोबा भावे' जी ने 'वाणी का सदुपयोग' पाठ में सत्य, मित और मधुर वाणी के सभ्य और उचित प्रयोग के महत्त्व को बताया है । **3**

आजकल सामाजिक कार्यकर्ताओं की वाणी दूषित पाई जाती है क्योंकि उनका मन भी दूषित हो चुका है । समाजसेवा के नाम पर वे समाज में कटुता और झूठ को बढ़ावा दे रहे हैं । परिणामस्वरुप सामाजिक कार्यकर्ताओं के प्रति जनता के मन में अविश्वास घर करता जा रहा है । जनता का विश्वास फिर से हासिल करने के लिए इन सामाजिक कार्यकर्ताओं को सम्यक वाणी के रहस्य से परिचित होना होगा । समाज का कल्याण इसी सम्यक वाणी द्वारा ही संभव होता है । वाणी में सच्चाई और मिठास के साथ मितता का होना सोने पर सुहागा है । सत्य, मित और मधुर वाणी ही 'सम्यक वाणी' कहलाती है । सामाजिक कार्यकर्ताओं को अपना जनाधार लगातार बढाए और बनाए रखने के लिए सम्यक वाणी का ही उपयोग करना होगा । उन्हें लोगों के दिलों में अपनी पहचान बनाए रखने के लिए सम्यक वाणी का ही सहारा लेना होगा । सम्यक वाणी द्वारा ही समाजहित के कार्यों को अपेक्षित गति देने में सफलता मिल सकेगी ।

इस प्रकार समाजहित के उद्देश्य की प्राप्ति के लिए सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए सम्यक वाणी की अत्यंत आवश्यकता है ।

2) सुप्रसिद्ध लेखक 'धर्मवीर भारती' जी ने 'कूर्मांचल में कुछ दिन' नामक यात्रा - संस्मरण पाठ में हिमालय का द्वार समझे जाने वाले 'कूर्मांचल' के प्राकृतिक सौंदर्य का हृदयस्पर्शी वर्णन किया है । **3**

बँगले के लॉन में बैठे लोगों को एक चिड़िया की 'जुहो! जुहो! जुहो!' रट सुनाई दी । उसके बारे में लोगों की जिज्ञासा देखकर मैनेजर ने उस इलाके में प्रचलित एक लोककथा का वर्णन करते हुए बताया कि किसी जमाने में वहाँ के पहाड़ों में एक अत्यधिक सुंदर कन्या थी। अत्यधिक गरीबी के कारण पिता ने उसका विवाह मैदानी इलाकों में कर दिया । वर्षा तथा सर्दी के महीने तो लड़की ने ससुराल में किसी तरह काट लिए परंतु गर्मी आते ही वह तड़प उठी। उसने नैहर जाने की प्रार्थना की परंतु उसकी सास और ननद ने इससे इनकार कर दिया । लड़की का शृंगार, खाना - पीना सब छूट गया तब उसने सास से गिड़गिड़ाते हुए कहा,'जुहो ?(जाऊँ)' तो सास ने निष्ठुरता से कहा,'भोल जाला (कल सुबह जाना)।' इस तरह टालते - टालते कई दिन बीतते गए और चिलचिलाती कड़ी धूप में जानलेवा लू चलने लगी । लड़की ने अंतिम बार अनुमति माँगी तो सास ने फिर वही जवाब दोहराया । अंततः एक शाम उस लड़की ने एक पेड़ के नीचे अंतिम साँस ली । तबसे कूर्मांचल के जंगलों में एक चिड़िया दर्द भरे स्वर में बार- बार 'जुहो ? जुहो ? जुहो ?' बोलती है और फिर एक पक्षी का कर्कश स्वर सुनाई देता है- 'भोल जाला', जिसे सुनकर वह चिड़िया मौन हो जाती है ।

बँगले के मैनेजर ने वहाँ उपस्थित लोगों को कूर्मांचल की यह करुण लोककथा सुनाई ।

3)	लेखक 'भगवतीचरण वर्मा'जी ने 'प्रायश्चित' पाठ के माध्यम से धर्म के नाम पर श्रद्धा और विश्वास के साथ खिलवाड़ करने वाले लोगों की स्वार्थभरी मानसिकता पर करारा व्यंग्य किया है । प्रायश्चित कहानी के लेखक ने समाज में फैले धार्मिक अंधविश्वास को उजागर करने का प्रयास किया है। लोगों पर इसका गहरा प्रभाव पड़ा हुआ है । रामू की बहू के हाथ से बिल्ली की हत्या की बात को अत्यंत अशुभ मानकर पंडित जी से सलाह ली गई । पंडित जी ने इसे सुनहरा अवसर मानकर धर्म के नाम पर कई क्रियाकर्म कराने की बात कहीं । दान में कई तोले सोना, कई मन अनाज, घी, रुपए, भोजन की माँग की गई । अंधविश्वास के घेरे में आकर परिवार को सबकुछ स्वीकार करना पड़ा । इस प्रकार समाज के लोग अंधविश्वासों के घेरे में आकर अनेक गलत क्रियाकर्म करते हैं । पैसा पानी की तरह बहाते हैं, यह नहीं सोचते कि उससे कुछ फायदा भी हो रहा है या नहीं । आज के विज्ञानयुग में इस तरह की सोच ऐसा पिछड़ापन हमारी जड़ मानसिकता को दर्शाता है । धर्म व धार्मिक क्रियाकर्म पर हमारा विश्वास हो किंतु अंधविश्वास न हो यही इस कहानी के माध्यम से लेखक की सोच उभर कर आई । इस प्रकार प्रायश्चित कहानी के माध्यम से लेखक ने समाज पर करारा व्यंग्य कसा है ।	**3**
4)	लेखक 'भारतेंदु हरिश्चंद्र' जी ने 'अंधेर नगरी' पाठ में 'मूर्ख राजा की मूर्ख प्रजा' रूपी अविवेकी वृत्ति से परिचित कराते हुए इससे बचे रहने की प्रेरणा दी है । अपने गुरु महंत की आज्ञा मिलने पर गोवर्धनदास अंधेर नगरी में पश्चिम की ओर भिक्षा माँगने के लिए चला जाता है । उस नगर में सभी चीजें एक ही भाव से बिकती हैं । भाजी और मिठाई टके सेर के भाव बिकती हैं । सारी चीजें इतनी सस्ती देखकर वह खाने - पीने की चीजें खरीदना चाहता है । वह खाने का बड़ा शौकीन है । मिठाइयाँ उसे बहुत पसंद है । इस नगर में तरह - तरह की मिठाइयाँ भी टके सेर के भाव मिलती है । उसे लगता है कि दूसरी जगह दिन भर माँगने पर भी पेट नहीं भरता है । यहाँ कम कीमत में ज्यादा मिठाइयाँ मिल जाती है । भिक्षा में गोवर्धनदास को सात पैसे मिलते हैं, जिससे वह आनंदित हो जाता है । उसके मन में यह विचार आता है कि इससे बेहतर जगह और कहीं नहीं मिलेगी । इस प्रकार गोवर्धनदास के मन में यह विचार आया कि रहने के लिए अंधेर नगरी ही सबसे अच्छी जगह है ।	**3**
5)	लेखक 'राजेंद्र श्रीवास्तव' जी ने 'संपन्नता' पाठ में विनायक बाबू के परिवार के माध्यम से वास्तविक संपन्नता को परिभाषित किया है । विनायक बाबू से बंगले की मेमसाहब ने काम का ब्यौरा लेकर उन्हें कुछ हिदायतें दी थी। विनायक बाबू उन्हें ही पूरा करने में व्यस्त हुए थे कि अचानक हुई गड़ - गड़ाहट ने उनका ध्यान भंग कर दिया । उन्होंने देखा कि एक नौजवान लड़का बाइक खड़ी कर होंठ गोल कर सीटी बजा रहा था । एक नौकर द्वारा दबी जबान में बताया गया कि ये बड़े साहब के बड़े बेटे विशाल हैं । उसे इस हालत में देखकर विनायक बाबू को अपनी आँखों पर विश्वास नहीं हो रहा था। विशाल की आँखें उनींदी - उनींदी नशे में डूबी हुई - सी थी । विशाल बाबू की आँखों को देखकर उन्हें साइकिल स्टैंड वाले गनपत की याद आ गई । यदि कपड़ों की चमक - दमक और चेहरे की पुताई उतार दी जाए, तो	**3**

	गनपत और विशाल बाबू में कोई फर्क नहीं बचेगा । इस प्रकार विनायक बाबू ने विशाल बाबू को असभ्य हरकतें करते हुए नशे की स्थिति में देखा ।	
	ऊ) **निम्नलिखित पठित गद्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर एक - एक वाक्य में लिखिए ।**	
1)	पंडित जी के इस कथन से उनकी लालची वृत्ति सूचित होती हैं ।"	**1**
2)	पंडित जी लोगों के अंधविश्वास की भावना का लाभ उठाते नजर आ रहे हैं ।	**1**
3)	मिसरानी ने पंडित जी पर उनकी असाधारणरूप से अत्यधिक खाने की क्षमता और लालची स्वभाव पर व्यंग्य कसा ।	**1**
उ.**2.**	**क) निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित पाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए । पूर्ण वाक्य लिखकर प्रयुक्त शब्द अधोरेखित कीजिए ।**	
1)	क्षण में वह **अरिदल** मिट जाएगा, तेरे पंखों से पिसकर ।	**1**
2)	**चतुरन** चित रहिमन लगी, समय चूक की हूक ।	**1**
3)	**बाधा** के रोड़ों से लड़ता, वन के पेड़ों से टकराता ।	**1**
	ख) निम्नलिखित दिए गए प्रश्नों के उत्तर पठित कविताओं के आधार पर केवल एक - एक वाक्य में लिखिए ।	
1)	वर्षों से हमारी नसों में रक्त खौलता है ।	**1**
2)	मेघ को बूढ़े पीपल ने जुहार की ।	**1**
3)	विषाद की निशा बीत रही है ।	**1**
	ग) निम्नलिखित दिए गए पठित पद्यांश के आधारपर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर एक - एक वाक्य में लिखिए ।	
1)	जीवन का वास्तविक उद्देश्य निरंतर चलते रहना है ।	**1**
2)	रुक जाना मृत्यु के समान है ।	**1**
3)	गतिशीलता का प्रतीक निर्झर है ।	**1**
	घ) निम्नलिखित पठित पद्यखंड का सरल गद्यार्थ लिखिए ।	
	भावार्थ : कवि दुष्यंत कुमार जी के अनुसार प्रशासन राजनीतिक और सामाजिक अव्यवस्था में भ्रष्टाचार रूपी कीचड़ इस कदर फैला है कि हर कोई भ्रष्टाचार में लिप्त पाया जा रहा है । इससे गुजरने वाले सभी लोग घुटनोंतक कीचड़ से सने (भरे) हुए हैं और उन्हें उनकी इस दुर्गति का अनुमान भी नहीं है । जनतंत्र की व्यवस्था आम लोगों की सुख - सुविधा को बनाए रखने के लिए ही निर्माण की गई थी परंतु आज यह पूरी तरह से भ्रष्टाचार रूपी धनतंत्र बनती जा रही है । जहाँ आम लोगों के दुख - दर्द असुविधाओं के लिए कोई स्थान नहीं है । अन्याय, बेईमानी, भ्रष्टाचार और शोषण आदि के कारण वर्तमान, प्रशासन भी कुशासन बनता जा रहा है । छोटे कर्मचारी, नौकरशाह, राजनेता सभी भ्रष्टाचार	**3**

	में आकंठ डूबे पाए जा रहे हैं । जिनसे जनता के मन में अव्यवस्था के प्रति चिढ़, नफरत और तीव्र आक्रोश पनप रहा है । इस प्रकार आज की अव्यवस्था के प्रति आक्रोश को लेकर जनमत लगातार एकजुट हो रहा है और भावी क्रांति की तरफ तेजी से बढ़ता जा रहा है ।	
	ड़) निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर संक्षेप में लिखिए :	
1)	संतकवि 'कबीरदास' जी ने 'कबीर के दोहे' कविता के माध्यम से संतोष, अतिथि - सेवाभाव, गुरु के महत्त्व तथा दान की महत्ता को बताया है । कवि कबीर जी कहते हैं कि हमारे जीवन में गुरु का बहुत बड़ा महत्त्व है । जो गुरु को पराया समझते हैं अर्थात महत्त्व नहीं देते वे बहुत बड़े अज्ञानी हैं । उन्हें इस बात का ज्ञान नहीं कि ईश्वर के रूठ जाने से गुरु की शरण मिलना संभव है परंतु गुरु के रूठ जाने पर इस संसार में हमें कहीं कोई भी शरण नहीं मिल सकती । अर्थात गुरु को पराया न समझ कर हमें उनके चरणों में पूर्ण रुप से समर्पित हो जाना चाहिए । सारी विपत्तियों से वे ही हमारी रक्षा कर सकते हैं । इस प्रकार कबीर ने गुरु के महत्त्व को स्पष्ट करते हुए कहा है कि ईश्वर के रूठ जाने पर भी गुरु की शरण संभव है ।	**3**
2)	कवि 'आरसीप्रसाद सिंह' जी ने 'जीवन का झरना' कविता में मनुष्य को झरने के माध्यम से जीवन में लगातार चलते रहने की प्रेरणा दी है । कवि ने झरने के साथ जीवन की तुलना करते हुए बताया है कि झरने में पानी है तो जीवन में ही उसकी मस्ती है । झरने के दो किनारों की तरह सुख-दुख रूपी जीवन के दो किनारे हैं । झरना अपने मार्ग में अवरोधक चट्टानों से संघर्ष करते हुए आगे बढ़ता है, उसी तरह जीवन को भी आगे बढ़ने के लिए मुश्किल हालातों से संघर्ष करना पड़ता है । झरना संघर्ष करते हुए मैदान में उतरता है तो जीवन भी कार्यक्षेत्र में उतरकर अपना स्थान बनाता है । झरने में गति होती है तो जीवन में जवानी । झरने की गति ही उसका जीवन है तो जीवन में प्रगति करना ही उसकी सार्थकता । झरने के बहाव का रुक जाना उसके जीवन का अंत है तो जीवन में प्रगतिशीलता का रुकना उसके पतन का प्रारंभ है । इस प्रकार कवि ने झरने की तुलना जीवन से की है ।	**3**
3)	गजलकार 'दुष्यंत कुमार' जी ने 'मत कहो, आकाश में कुहरा घना है' गजल में आम आदमी के दबकर और घुटकर जीने की वजहों को अभिव्यक्ति दी है । प्रशासनिक और राजनीतिक उदासीनता के कारण आम आदमी अव्यवस्था का शिकार बनता जा रहा है । जनतंत्र में जनता को ही उसके अधिकारों से वंचित रखा जा रहा है। हालात यहाँ तक बदतर है कि अपने अधिकारों की माँग करने वाले लोगों की बेचैनी और आक्रोश को क्षणिक उत्तेजना का रूप देकर इन नेताओं द्वारा उसे महत्त्वहीन कर दिया जाता है । ज्वलंत समस्याओं और जनता के दुख - दर्द को सहानुभूतिपूर्वक सुनकर नेताओं द्वारा उनका समाधान खोजने की कोशिश ही नहीं की जाती है । परिणामस्वरूप जनता का आक्रोश बढ़ता ही जाता है परंतु जनता के इस असंतोष को	**3**

नेताओं द्‌वारा शांत करवाने की एक छोटी कोशिश भी नहीं की जाती है । वर्षों से जनता इसी तरह नेताओं द्‌वारा उपेक्षित है ।

इस प्रकार समस्याओं का समाधान न मिलने के कारण जनता के आक्रोश को नेता लोग उपेक्षापूर्ण भाव से क्षणिक उत्तेजना कहकर टाल देते हैं ।

उ.3. निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर पठित पूरक पाठों के आधार पर 70 - 80 शब्दों में लिखिए :

1) सुप्रसिद्‌ध लेखिका गौरा पंत 'शिवानी' जी ने 'गंगा बाबू हैं कौन ?' पाठ में एक ऐसे व्यक्तित्व का वर्णन किया है जो अनेकानेक संस्मरणों का जीता - जागता शब्दकोश है । **4**

गंगा बाबू बड़े ही आत्मीय और स्नेही व्यक्ति थे । एक बार गंगा बाबू ने शिवानी जी का एक संस्मरण पढ़ा । वे उससे अत्यंत प्रभावित हुए । उन्होंने उसी पल लेखिका को एक प्रोत्साहन पत्र लिखा । लेखिका ने इसे गंगा बाबू से प्रथम परिचय रूपी सौभाग्य समझा । गंगा बाबू के पत्र की सहज - स्नेहपूर्ण भाषा में उनके समूचे व्यक्तित्व को आँखों के सामने साकार कर दिया । इस पत्र में उन्होंने संस्मरण की पहचान बताते हुए लिखा था,''संस्मरण ऐसा हो कि सामने आ जाए, उसका क्रोध, उनकी परिहास रसिकता, उसकी दयालुता, उसकी गरिमा, उसकी दुर्बलता, सब कुछ सशक्त लेखनी आँकती चली जाए, वही उसकी सच्ची तस्वीर है, वही सफल संस्मरण है ।''

इस प्रकार गंगा बाबू ने लेखिका के संस्मरण की सच्ची सराहना करते हुए उसे संस्मरण कला की कुशलता से परिचित करवाया था ।

2) लेखक 'प्रेमानंद चंदोला' जी ने 'तुलसी का बिरवा' पूरक पठन पाठ में तुलसी के धार्मिक, सामाजिक व औषधीय महत्त्व को दर्शाया है । **4**

हिंदुस्तान में तुलसी के पौधे को बहुत ही महत्त्वपूर्ण माना गया है । यहाँ के लोग तुलसी के पौधे को बहुत ही पवित्र और पूज्‌नीय मानते हैं । यही कारण है कि अधिकतर घरों में यह पौधा पाया जाता है । हिंदू स्त्रियाँ तुलसी के पौधे की पूजा - परिक्रमा करती हैं । इसपर नैवेद्‌य, रोली और अक्षत चढ़ाती हैं । धूप - दीप के साथ आरती की जाती है । तुलसी की शादी रचाती हैं । चरणामृत में तुलसी की पत्तियाँ अनिवार्य रूप से डाली जाती हैं । पूजा के जलपात्र में पानी के साथ तुलसी दल देवताओं को चढ़ाया जाता है । मरते समय आदमी के मुख में तुलसी की पत्ती रखे बिना संस्कार पूरा नहीं होता । हिंदू लोगों द्‌वारा जनेऊ व चूड़ी वगैरह टूटने पर पवित्र जगह यानी तुलसी के पास रखे जाते हैं ।

इस प्रकार हिंदुस्तान के जनजीवन एवं जनमानस पर तुलसी का प्रभाव जन्म से मृत्यु तक बड़ी गहराई के साथ जुड़ गया है ।

3) लेखक 'प्रवीण कारखानीस' जी ने 'थिंफू - भूटान की वर्तमान राजधानी' पाठ में वनसंपदा की खान भूटान के प्राकृतिक सौंदर्य का मनोहर वर्णन किया है । **4**

भूटान देश की अपनी मुद्रा है, जिसे 'गुलत्रम' कहते हैं । उसका मूल्य लगभग हमारे एक रुपए के बराबर ही है । सौ छेलत्रम का एक गुलत्रम बनता है । भूटान आनेवाले विदेशी अपनी मुद्रा को

भूटानी मुद्रा में परिवर्तित कराते हैं लेकिन भारत से आनेवाले लोगों के लिए यह आवश्यक नहीं है । इसका कारण यह है कि भूटान में भारतीय मुद्रा का आम प्रचलन है । वहाँ भूटानी मुद्रा के साथ-साथ भारतीय मुद्रा का भी लेन-देन में प्रयोग किया जाता है । यही कारण है कि भूटान जाते समय भारतीयों को डॉलर खरीदने का झंझट नहीं रहता ।

4) चिन्मय और चारु भाई-बहन है । 10 अप्रैल, 2012 को अपनी माँ नेहा शर्मा के साथ लोकल ट्रेन से यात्रा कर रहे इन मासूम बच्चों ने ऐसा अनोखा कारनामा कर दिखाया, जिसे सुनकर लोग दाँतों तले उँगलियाँ दबाने लगे । वे जिस डिब्बे में सवार थे, उसमें दो बदमाश घुस आए । ज्यों - ही गाड़ी चली उनमें से एक बदमाश ने साठ वर्षीय महिला यात्री का हैंडबैग छीन लिया । हाथ में चाकू लिए दूसरे बदमाश ने चारु और चिन्मय की माँ का हैंडबैग छीन लिया । गुस्से में आकर चारु ने झपटकर बदमाश के हाथ से बैग छीन लिया । इसपर बदमाश ने चारु के बाल पकड़कर उसे दरवाजे की तरफ धकेल दिया । इतने में पीछे से आकर चिन्मय ने उस बदमाश के बाल खींचे और अपने पैने दाँतों से उसे काट खाया । बदमाश के हाथ से चाकू छूट गया । चिन्मय ने बिना एक पल गँवाए चलती ट्रेन से चाकू बाहर फेंक दिया। दूसरे बदमाश ने बौखलाकर चिन्मय को सीट के नीचे धकेल दिया । फिर भी दोनों बच्चे बहादुरी से बदमाशों का मुकाबला करते रहे। इसी दौरान बदमाश के हाथ से वृद्ध महिला यात्री का बैग छूट गया जिसे चिन्मय ने लपक लिया। यह देखकर बदमाश घबरा गए और अगला स्टेशन आते ही दोनों ट्रेन से कूदकर भाग खड़े हो हुए । **4**

इस प्रकार चिन्मय और चारु ने भागती ट्रेन में झपटमारों से बहादुरी पूर्वक मुकाबला किया ।

अथवा

निम्नलिखित पठित पूरक पाठों में से <u>किसी एक</u> का सार लिखिए :

1) 'गंगा बाबू हैं कौन ?' 'शिवानी' जी द्वारा लिखित एक प्रसिद्ध संस्मरण है । इस संस्मरण में शिवानी जी ने एक ऐसे व्यक्तित्व को प्रस्तुत किया है जो स्वयं असंख्य संस्मरणों के जीते - जागते शब्दकोश थे । **8**

गंगा बाबू का नाटा - सा कद, भारी - भरकम शरीर, सरल वेशभूषा, गंभीरता के लिए मुख - मंडल को रौशन करती हुई उनकी मोहक मुस्कान सहज ही सभी को आकर्षित कर लेती थी । शिवानी जी को लिखे एक प्रोत्साहन पत्र में गंगा बाबू ने संस्मरण कला का सार कुछ इस प्रकार प्रस्तुत किया था, ''संस्मरण ऐसा हो जिसे कभी देखा भी न हो, उसकी साक्षात छवि ही सामने आ जाए, उसका क्रोध, उसकी परिहास रसिकता, उसकी दयालुता, उसकी गरिमा, उसकी दुर्बलता सब कुछ सशक्त लेखनी आँकति चली जाए, वहीं उसकी सच्ची तस्वीर है, वही सफल संस्मरण है ।'' गंगा बाबू से लेखिका का परिचय लगभग दस वर्ष पूर्व हुआ था । शिवानी जी ने गंगा बाबू को संस्मरणों को अथाह खजाने के रुप में अनुभव किया । किसी गोष्ठी की अधक्ष्यता करनी हो, या किसी अनुष्ठान के लिए आमंत्रित करना हो, गंगा बाबू हमेशा हिंदी के साहित्यकारों से अनुरोध करना नहीं भूलते थे । फिर चाहे वे महादेवी जी हो या शिवानी जी । गंगा बाबू के ऐसे ही आत्मीय आग्रह पर शिवानी जी लक्खी सराय की बालिका विद्यापीठ के 'कन्याओं की विदा' के कार्यक्रम में उपस्थित हुई थी । यह विद्यालय प्रथम राष्ट्रपति बाबू राजेंद्र प्रसाद जी की प्रिय शिक्षण - संस्था थी । इसी विद्यापीठ के अहाते में गत वर्ष गंगा बाबू के

आग्रह पर महादेवी जी ने वृक्ष लगाया या और इस वर्ष शिवानी जी ने उसी वृक्ष के पास एक पौधा लगाया । कन्याओं की विदाई के अवसर पर आमंत्रित शिवानी जी की चार दिनों तक गंगा बाबू ने जिस आत्मीयता से देखभाल की थी, उसे लेखिका कभी भूला नहीं पाई । वहाँ से चलते समय उन्होंने लेखिका को इतनी सौगातें बाँध दी, जैसे वे लेखिका के रूप में अपनी पुत्री को विदा कर रहे हो ।

गंगा बाबू के अनुरोध पर ही लेखिका बाबू राजेंद्र प्रसाद जी की मूर्ति का अनावरण करने के लिए पटना भी गई थीं । कुछ महीनों पहले वे लखनऊ में भी गंगा बाबू से मिली थीं । वहाँ हिंदी संस्थान के किसी आयोजन में बीमारी की हालात में भी वे आए थे ।

गंगा बाबू हिंदी के एक सच्चे सफल सेनानी थे । उन्हें कभी किसी प्रशस्ति या यश - ख्याती की भूख नहीं रही । वे जीवनभर हिंदी के लिए संघर्षरत और समर्पित रहे । गंगा बाबू ने कभी - भी अपने कृतित्व का प्रचार नहीं किया । कम से कम हिंदी के लिए समर्पित व्यक्तियों संस्थाओं को अखिल भारतीय हिंदी संघ की स्थापना करने वाले गंगा बाबू (गंगा शरण सिंह जी) को नहीं भूलना चाहिए । सचमुच गंगा बाबू हिंदी के एक तपः पूत थे ।

2) लेखक 'प्रेमानंद चंदोला' जी ने 'तुलसी का बिरवा' पूरक पठन पाठ में तुलसी के धार्मिक, सामाजिक व औषधीय महत्त्व को दर्शाया है । **8**

भारतवासियों को जिन चीजों से लाभ होता है, वे उनकी पूजा करना नहीं भूलते । यही कारण है कि भारत के अधिकांश घरों में तुलसी का पौधा पाया जाता है । स्त्रियाँ तुलसी का विवाह भी रचाती हैं । ईसाई धर्म के लोग भी तुलसी को पवित्र मानते हैं । इटली और ग्रीस के लोगों को तुलसी के गुणों की जानकारी पहले से है । संत बेसिल दिवस पर स्त्रियाँ तुलसी की डालियाँ गिरजाघर में ले जाती है और घर वापस आने पर उन टहनियों को फर्श पर बिखेर देती हैं । जिससे आने वाला वर्ष लाभकारी हो । तुलसी के 'बेसिल, सेक्रेट बेसिल','बसिलिकोन','ओसिमम सैक्टम तथा 'ल पलांति रोयली' आदि अनेक नाम हैं । भारतवासी खाँसी, सर्दी, जुकाम गले की बीमारियों तथा मलेरिया जैसे रोगों में तुलसी के पत्तों का गर्म पानी या चाय के रूप में उपयोग करते हैं । इसकी मंजरी का उपयोग भी बीमारियों में किया जाता है । इसकी तेज सुगंध कीटाणुओं को नष्ट कर देती है । इससे कीट - पतंगे और मच्छर दूर भाग जाते हैं ।

वैज्ञानिकों के अनुसार तुलसी रोगाणुओं तथा संक्रमण को रोकती है । कुछ वर्ष पूर्व दिल्ली के एक वैज्ञानिक अनुसंधान ने खोज कर बताया कि तुलसी के तैलीय पदार्थ से टी. बी. (यक्षमा) जैसे रोगों का नाश हो जाता है । भारतवासी धार्मिक कार्यों में भी तुलसी के पत्ते का प्रयोग करते हैं । चरणामृत तथा देवताओं को चढ़ाए जानेवाले जल में भी तुलसी का पत्ता अवश्य डालते हैं । अभी इस क्षेत्र में वैज्ञानिकों द्वारा और भी अनुसंधान की जरूरत है ।

उ.4. च) निम्नलिखित शब्दों में से <u>किसी एक</u> शब्द का स्वतंत्र एवं अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए :

1) हमें आपका <u>साथ</u> चाहिए । **1**

2) वाह ! क्या बात कही है आपने । **1**

छ) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद लिखिए :

1) कि - अव्यय । **1**

2) वर्षा - संज्ञा । **1**

ज) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल - परिवर्तन कीजिए :

1) राजा ब्रह्मदत्त का रथ गया था । **1**

2) बालक उछलता है । **1**

झ) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त सहायक क्रिया पहचानकर लिखिए :

1) दो (देना) । **1**

2) सकी (सकना) । **1**

अथवा

निम्नलिखित क्रियाओं में से किसी एक क्रिया का सहायक क्रिया के रूप में अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए ।

1) वाक्य :- मैं फिर भूल कर बैठा । **1**

2) वाक्य :- युद्ध ने कितने ही घर मिटा डाले । **1**

ट) निम्नलिखित क्रियाओं में से किसी एक क्रिया के प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए :

मूल क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थकरूप	द्वितीय प्रेरणार्थकरूप
1) बनना	बनाना	बनवाना **1**
2) सीना	सिलाना	सिलवाना **1**

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त प्रेरणार्थक क्रियारूप छाँटकर उसका प्रकार लिखिए :

1) बजाई - प्रथम प्रेरणार्थकरूप । **1**

2) फिकवाएँ - द्वितीय प्रेरणार्थकरूप । **1**

ठ) निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए :

1) गुस्सा बेचारी बच्ची पर उतार रहे हो । **1**

2) सौभाग्य की बात कि गाड़ी समय पर थी । **1**

3) एक बार गोपाल बहुत बीमार हुआ था । **1**

	अथवा **निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों के लिए योग्य विरामचिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए :**	
1)	वे बोले,''यह तो आनंद का प्रश्न है ।''	**1**
2)	माँ जी, बिल्ली तो उठकर भाग गई ।	**1**
3)	लो, ये बज गए साढ़े चार और तब भी वे लापता ।	**1**
	(ड) **निम्नलिखित मुहावरों में से किन्हीं तीन मुहावरों के हिंदी में अर्थ देकर उनका अर्थपूर्ण एवं स्वतंत्र वाक्यों में प्रयोग कीजिए :**	
1)	मस्तक नवाना – सिर झुकाना । वाक्य : बहादुर सैनिक दुश्मन के सामने कभी मस्तक नहीं नवाते ।	**1**
2)	ताँता बँध जाना – कतार लग जाना, भीड़ लगना । वाक्य : अभिनेत्री को देखने के लिए लोगों का ताँता बँध गया ।	**1**
3)	हाथ में आना – काबू या कब्जे में आना । वाक्य : कठिन परिश्रम करने के बाद खजाना खोजकर्ताओं के हाथ में आया ।	**1**
4)	ढाक के तीन पात – सर्वत्र एक जैसी स्थिति का होना । वाक्य : रमणीकलाल ने साल भर में कई तरह के धंधे बदले, पर कमाई वही ढाक के तीन पात !	**1**
5)	सिर झुकाए बैठना – लज्जित होना । वाक्य : अपनी गलती का एहसास होते ही राधा सिर झुकाए बैठ गई ।	**1**
	अथवा **निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन वाक्यों में अधोरेखांकित वाक्यांशों के बदले कोष्ठक में दिए गए मुहावरों में से योग्य मुहावरे का प्रयोग करके शुद्ध वाक्य फिर से लिखिए :**	
1)	जब तक माँ का दिया हुआ काम पूरा नहीं होगा, कुसुम को चैन नहीं मिलेगा ।	**1**
2)	छोटी बहन को दौड़ में पहली आती हुई देखकर सावित्री खिल- खिलाकर हँसने लगी ।	**1**
3)	अप्रिय बात सुनकर हममें से कोई भी नाक - भौं सिकोड़ेगा ।	**1**
4)	हमारे जीवन में गुदगुदाने वाले क्षण बहुत कम होते हैं ।	**1**
5)	पुनीत ने अपनी गलती पर पिताजी के पैर पकड़े ।	**1**
उ.5.	**निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 150- 200 शब्दों तक निबंध लिखिए :**	
1)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No. 98 - Q.3	**10**
2)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No.115 - Q.19	**10**
3)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No.122 - Q.27	**10**
4)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No.131 - Q.36	**10**

उ.**6.**	(त) **निम्नलिखित कार्यालयीन तथा व्यावसायिक पत्रों में से <u>किसी एक</u> पत्र का प्रारूप (नमूना) लिफाफे सहित तैयार कीजिए :**	
1)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 1 - Page No. 186 - Q.3	**4**
2)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 1 - Page No. 192 - Q.9	**4**
	(थ) **निम्नलिखित रूपरेखा के आधार पर कहानी लिखिए । यह भी दर्शाइए कि उससे क्या सीख मिलती है ।**	
	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 1- Page No. 201- Q.3	**4**
(द)	**निम्नलिखित अपठित गद्यखंड पर आकलन हेतु ऐसे <u>चार प्रश्न</u> तैयार कीजिए, जिनके उत्तर <u>एक - एक वाक्य</u> में हो :**	
	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No. 81 - Q.3	**4**

❐❐❐❐❐